

महत्वपूर्ण एवं खास

कुनकुनी के पास बोरवेल पलटी, 1 की
मौत, 3 मजदूर घायल

रायगढ़। खरसिया क्षेत्र के कुनकुनी के पास आज निर्माणाधीन मार्ग पर एक बोरवेल के पलट गई जिसमें दबने से एक मजदूर की मौत हो गई है वही 3 अय मजदूर घायल हो गये जिन्हे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना सुबह लगभग 10.30 से 11 बजे के आसपास की बातई जा रही है। उक रोड निर्माण के कड़े चाल से अब तक कई लोगों की जान जा चुकी है। जगह डू जगह गढ़े, आथा अधूरे सड़क, धूल उड़ाते वाहन के चलते 2 पहिया वाहन चालकों को अपनी जान जोखिम में डालकर इस रोड से गुजराना पड़ता है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल पहुंचाया। अभी मृतक व घायलों के नाम की जानकारी नहीं मिल पायी है।

समुराल जा रहा व्यक्ति सड़क दुर्घटना में चोटिल

रायगढ़। डभरा थाना क्षेत्र ग्राम कलमाझर से समुराल जा रहा व्यक्ति की मोटरसाइकिल हो गई दुर्घटना ग्रस्त। रात्रि लागभग 9 बजे के आसपास मोटरसाइकिल तेज अनियंत्रित रफ्तार से वाहन का चालन कर फरारी भर रहा था, इस बीच कोतारोड थाना क्षेत्र ग्राम बोकरमुड़ा के पास उसकी मोटरसाइकिल दुर्घटना का शिकार हो गई। सड़क दुर्घटना में रोड किनारे चोटिल व्यक्ति के पड़े होने की सूचना पर कोतारोड राहने शुभम तिवारी व उनकी टीम ने मौके पर पहुंचकर घायल संजय सिद्धर पिटा घुरुवा सिद्धर उम्र 23 वर्ष को मेकाहारा अस्पताल इलाज के लिए भर्ती किया है।

नये शनिदेव मन्दिर के पास ट्रैक्टर पलटा

रायगढ़। रायगढ़ शहर के जगदम्बा आश्रम स्थित श्री शनिदेव मन्दिर के पास से जो नया मार्ग बना हुआ है मरीन ड्राइव के लिए उसके मोड़ पर अभी संध्या 7 बजे एक ट्रैक्टर ट्राली पलट गई थी। इसका कारण मोड़ पर बना हुआ ट्रैक्टर है जो कि इतना ऊंचा है कि कोई भी चार पहिया वाहन चालक को समझ नहीं आता है कि आगे कितने दूर से मोड़ना है। इस विषय में पर आज से 8 माह पूर्व भी नगर निगम और रेलवे का ध्यान आकर्षित किया था लेकिन किसी ने भी सुधर नहीं ली।

माँ बेटी पर चाकू से जानलेवा हमला

दर्दनाक हादसे में माँ की मौत, बेटी हॉस्पिटल में दाखिल, आरोपी गिरफ्तार

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले के छाल थाना क्षेत्र आज दहला देने वाली घटना सामने आई है। जिसमें गांव के ही राजा चावले नामक व्यक्ति द्वारा एक घर में घुसकर महिला पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया।

इस घटना के देखकर महिला की सात साल की बेटी चीख पुकार सुनकर आरोपी युवक द्वारा उस पर भी जानलेवा हमला किया लेकिन वह बाल बाल बच गई। जानलेवा हमले से महिला की मौके पर मौत हो गई वही ग्रामीणों की निशानदेही पर आरोपी राजा चावले को भागने की फिराक में खसिया रेलवे स्टेशन से गिरफ्तार कर लिया गया। वारदात को अंजाम देने में बाद आरोपी भागने की फिराक में था। फिलहाल पुलिस महिला के शव का पंचनामा और ग्रामीणों के बयान के आधार पर मामला पंजीबद्ध कर रही है। महिला के शव का पीएम के लिए अस्पताल भेजा जा रहा है। वही घटना को लेकर पुलिस आरोपी से पूछताछ कर



थानांतर्ता कांसाबहार गाँव में अज्ञात कारणों से माँ एवं बेटी पर गांव के ही राजा चावले द्वारा चाकू से जानलेवा हमला किया गया। घटना के बाद मृतक महिला और उसकी 7 वर्षीय दिलमती मंज़वार के घर पहुंचे तब वहाँ का नजारा देख सकते से दिलमती मंज़वार पति महेश मंज़वार 45 वर्ष की मौके पर मौत हो गई। वही ग्रामीणों द्वारा इसकी जानकारी 112 ड्यूल और छाल पुलिस

को दिया।

घटना की जानकारी मिलते ही छाल पुलिस घटना स्थल पर पहुंच गई वही ग्रामीणों की मदद से 7 साल की मासूम

मंज़वार को छाल अस्पताल पहुंचाया। वही माँ दिल मती मंज़वार की अत्यधिक खून निकल जाने से मौके पर ही

मौत हो गई। वही ग्रामीणों की निशानदेही पर आरोपी राजा चावले को भागने की फिराक में खसिया रेलवे स्टेशन से गिरफ्तार कर लिया गया। वारदात को अंजाम देने में बाद आरोपी भागने की फिराक में था। फिलहाल पुलिस महिला के शव का पंचनामा और ग्रामीणों के बयान के आधार पर मामला पंजीबद्ध कर रही है। महिला के शव का पीएम के लिए अस्पताल भेजा जा रहा है। वही घटना को लेकर पुलिस आरोपी से पूछताछ कर

समाजों में इस प्रकार के धर्मग्रन्थों के दान को विमल दान कहा गया है जिसे देवों की प्रसन्नता हेतु सुग्राम ब्राह्मण को आवायस पर आमंत्रित किया, तथा वेदिक रीत से स्वस्तिक वाचन कर एवं तुलसी पत्र, गंगाजल, अक्षत लेकर रामदास अग्रवाल व उनकी अर्द्धांगिनी श्रीमती द्रोपदी देवी ने संकल्पित होकर श्रीमद्भगवद्गीता तथा गोस्वामी तुलसीदास द्वारा रचित रामायण धर्मग्रन्थ का दान किया। दान ग्रहण करने के उपरांत सत्यात्र ब्राह्मण द्वारा वेद परम्परा के अनुरूप रामदास दम्पति के अव्याप्ति व उदार कर्मों का प्रताप पहुंच है कि उनके तीनों सुपुत्रों की पहचान अपने नाम के साथ व्यवसाय से लेकर राजनीति और समाजसेवा से लेकर शिक्षा तथा पर्यावरण तक हर क्षेत्र में स्थापित हो रही रही है।

रामदास दम्पति ने दिया धर्मग्रन्थ का दान

रायगढ़। नगर के स्थापित समाजसेवी व प्रकृति प्रेमी रामदास अग्रवाल दम्पति द्वारा विमल दान की इच्छा से विश्व ब्राह्मण महासंघ के जिलाध्यक्ष होरमत तिवारी की धर्मग्रन्थों का दान किया है। अपने नाम के अनुरूप ही राम गुणान में रमे वरिष्ठ



समाजों में इस प्रकार के धर्मग्रन्थों के दान को विमल दान कहा गया है जिसे देवों की प्रसन्नता हेतु सुग्राम ब्राह्मण को आवायस पर आमंत्रित किया, तथा वेदिक रीत से स्वस्तिक वाचन कर एवं तुलसी पत्र, गंगाजल, अक्षत लेकर रामदास अग्रवाल व उनकी अर्द्धांगिनी श्रीमती द्रोपदी देवी ने संकल्पित होकर श्रीमद्भगवद्गीता तथा गोस्वामी तुलसीदास द्वारा रचित रामायण धर्मग्रन्थ का दान किया। दान ग्रहण करने के उपरांत सत्यात्र ब्राह्मण द्वारा वेद परम्परा के अनुरूप रामदास दम्पति को आयुष्मान व कल्याण मंत्र का आशिर्वाद भी प्रदान किया गया। इसके उपरांत रामदास दम्पति द्वारा आमंत्रित विप्रजन पं. हेरमत तिवारी का आदर पूर्वक सत्कार कर दक्षिणा के साथ तथा पर्यावरण तक हर क्षेत्र में स्थापित किया गया।

नियमों की धज्जियां उड़ा रहे आटो चालक नहीं हो रही है कार्रवाई



की तरह टूंस लेते हैं। चालक की सीटि के बगल में भी बो को बैठा लिया जाता है। इससे दुर्घटना की संभावना हमेशा बने रहती है।

गंदरी पुलिया हो रहा

जाम

मालाधका रोड पर अंडर ग्राउड पुल है, जिसे गंदरी पुल के नाम से पहचाना जाता है। यहाँ हर दिन आटो चालनों की रेलमपेल के कारण जाम में लोग फंस रहे हैं। आटो चालक अपनी चालनों में क्षमता से अधिक सवारी बैठा लेते हैं। इसके बाद हर यात्री को देखा जा सकता है। जिनकी उम्र सोलह साल से नीचे है। वे भी निर्धारित गति से तेज रतार में जाम की स्थिति बन जाती है। लेकिन इससे दोनों ओर पुल में जाम की विस्थिति बन जाती है। वे भी निर्धारित गति से तेज रतार में चालने वाले सबसे अधिक परेशानी हैं।

महिला व बो की होती है, जो पुल के भीतर जाम में फंस जाते हैं और इसकी जानकारी पुलिस विभाग के अधिकारियों को भी है, लेकिन उनके द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की जाती है।

नावालिंग भी चला रहे आटो

रुपए कमने की फिराक में नावालिंग भी अब आटो चालने लगे हैं। रेलवे स्टेशन व बस स्टेंड में कई ऐसे आटो चालकों को देखा जाता है। इसके बाद हर यात्री को देखा जाना जाता है। लेकिन आठ साल से नीचे हैं। वे भी निर्धारित गति से तेज रतार में चालने वाले सबसे अधिक परेशानी हैं।

जाम

रुपए कमने की फिराक में नावालिंग भी अब आटो चालने लगे हैं। रेलवे स्टेशन व बस स्टेंड में कई ऐसे आटो चालकों को देखा जाता है। इसके बाद हर यात्री को देखा जाना जाता है। लेकिन आठ साल से नीचे हैं। वे भी निर्धारित गति से तेज रतार में चालने वाले सबसे अधिक परेशानी हैं।

रुपए कमने की फिराक में नावालिंग भी अब आटो चालने लगे हैं। रेलवे स्टेशन व बस स्टेंड में कई ऐसे आटो चालकों को देखा जाता है। इसके बाद हर यात्री को देखा जाना जाता है। लेकिन आठ साल से नीचे हैं। वे भी निर्धारित गति से तेज रतार में चालने वाले सबसे अधिक परेशानी हैं।

जाम

रुपए कमने की फिराक में नावालिंग भी अब आटो चालने लगे हैं। रेलवे स्टेशन व बस स्टेंड में कई ऐसे आटो चालकों को देखा जाता है। इसके बाद हर यात्री को देखा जाना जाता है। लेकिन आठ साल से नीचे हैं। वे भी निर्धार